बिहार प्रशासनिक सेवा संघ

प्रशासनिक सेवा भवन
जवाहरलाल नेहरू मार्ग, पटना-८०० ००१

दूरभाष :
अध्यक्ष : 226623 (R)
महासचिव : 228227 (O) 224
286865 (R)
कोषाध्यक्ष : 351334 (R)

अध्यक्ष
वजीन्द्र नारायण सिंह
(डब्लू० एन० सिंह)

महासचिव
गंगाधर लाल दास
(जी० एल० दास)

Truth Will Triumph

उपाध्यक्ष
फेराक अहमद
अरुण चन्द्र मिश्र

संयुक्त सचिव
अर्जुन प्रसाद
कृष्ण मुरारी शर्मा

कोषाध्यक्ष
केशव रंजन प्रसाद

पत्र संख्या 92

पटना
दिनांक 31-12-2001

सेवा में,

अध्यक्ष/महासचिव,
....
....

विषय:- सरकार की दमनात्मक नीति/आदेश के विरुद्ध संगठित आंदोलन छेड़ने के संबंध में ।

महाशय,

पिछले कई वर्षों से सरकार की कर्मचारी विरोधी नीति से हम सभी परिचित हैं । सरकार एवं भा0प्र0से0 के पदाधिकारी की "फूट डालो राज करो" की नीति से सभी संगठन हतोत्साहित होते हुए अलग-थलग पड़ गये हैं । परिणामस्वरूप सरकार/भा0प्र0से0 के पदाधिकारी स्वच्छंद होकर निरंकुश कार्रवाई से बाज नहीं आ रहे हैं । समय-समय पर सभी संगठन सरकार से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते रहे हैं पर सरकार उचित-अनुचित का ध्यान किये बिना ऐसा आदेश निर्गत कर रही है जिससे सभी पदाधिकारी/कर्मचारियों को उद्वेलित होना स्वाभाविक है । आक्रोश तो सभी को है पर भूतकाल की स्थिति का ध्यान कर आगे बढ़ने से सभी घबराते हैं । गत वर्ष 66 दिनों की लम्बी अनिश्चितकालीन हड़ताल के बाद सरकार के कई आदेशों से हम और भी आक्रोशित हैं । अपने आन्दोलन का कार्यक्रम तैयार भी कर लिया है लेकिन पूर्व में जो स्थिति बनी थी उससे यह निष्कर्ष निकलना कि बगैर सभी संगठनों के सहयोग से हम सफल हो पायेंगे, इसमें पूर्णतः संदेह है । मेरे संघ का तो अब यह मानना है कि जब तक सरकार/भारतीय प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारियों के विरुद्ध संगठित आंदोलन नहीं छेड़ा जायेगा, हमें शायद न्याय भी प्राप्त नहीं होने वाला है । विगत वर्ष कुछ सेवा संगठन के सदस्यों के सेवा से निष्कासित किये गये पर उसका

बिहार प्रशासनिक सेवा संघ

प्रशासनिक सेवा भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग, पटना-१

दूरभाष :
अध्यक्ष : 226623 (R)
महासचिव : 220227 (O), 286865 (R)
कोषाध्यक्ष : 351334 (R)

अध्यक्ष
वजीन्द्र नारायण सिंह
(डब्लू० एन० सिंह)

महासचिव
गंगाधर लाल दास
(जी० एल० दास)

Truth Will Triumph

उपाध्यक्ष
फिराक अहमद
अरुण चन्द्र मिश्र

संयुक्त सचिव
श्री अर्जुन प्रसाद
श्री कृष्ण मुरारी प्रसाद

कोषाध्यक्ष
केशव रंजन प्रसाद

पत्र संख्या..........................

पटना
दिनांक..............................

प्रतिकार एवं विरोध सफल रूप से नहीं किया गया और नतीजा भी आपके सामने है। यह हाल हम सभी का तब तक होता रहेगा जब तक सामान्य मुद्दों पर हम इन सुविधाभोगी प्रशासक द्वारा किये जा रहे अनुचित निर्णय के विरुद्ध संगठित आंदोलन नहीं छेड़ेंगे ।

भा०प्र०से० के पदाधिकारी केन्द्रीय सुविधा के नाम पर स्वयं 60 वर्ष की सेवा का आनन्द लेते हैं और हमें उस सुविधा से वंचित रखकर आनन्द पाते हैं । उपार्जित अवकाश के बदले 300 दिनों के समतुल्य राशि का भुगतान पाते हैं पर हमें उससे वंचित रखे हुए हैं । वाहन भत्ता, एम०ए०सी०पी०, केन्द्रीय सरकार की तरह हर स्तरों पर प्रोन्नति नहीं देना उनका मुख्य कार्य है और सरकार द्वारा किये गये समझौते का अनुपालन न होने देना उनका निकम्मापन । राज्य की आर्थिक स्थिति का बहाना बनाकर स्वयं हवाई यात्रा करने से नहीं हिचकते हैं, इन्टरनेट, कम्प्यूटर, ए०सी०, एस०टी०डी० एवं अधिकाधिक वाहन जैसी सुविधा सरकार के खर्च पर निजी लाभ के लिए प्राप्त करने से नहीं हिचकते हैं ।

आंदोलन का अभिप्राय आम हड़ताल की बात ही नहीं होती है । हम स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि छोटी बड़ी बातों पर हड़ताल की स्थिति से हम सभों को बचना चाहिए क्योंकि हमलोगों के द्वारा किये गये हड़ताल उनको लाभ ही दिलाता है । हम मुद्दों और सरकार द्वारा किये गये समझौते के अनुपालन नहीं होने पर हड़ताल पर जाते हैं और ये बुद्धिजीवी, सुविधाभोगी प्रशासक अपमानित ह भी हड़ताल की बात नहीं सोचते हैं । स्वभावतः ये सरकार के मित्र बन जाते हैं और हम सभी दुश्मन करार दिये जाते हैं । हमारी हड़ताल इन्हें एक और भी लाभ देता है कि ये निकम्मे काम नहीं होने का कारण हमारी हड़ताल को बताते हैं और हड़ता

बिहार प्रशासनिक सेवा संघ

प्रशासनिक सेवा भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग, पटना-१

दूरभाष :
अध्यक्ष : 226623 (R)
महासचिव : 220227 (O), 286865 (R)
कोषाध्यक्ष : 351334 (R)

अध्यक्ष
वजीन्द्र नारायण सिंह
(डब्लू० एन० सिंह)

महासचिव
गंगाधर लाल दास
(जी० एल० दास)

Truth Will Triumph

उपाध्यक्ष
फिराक अहमद
अरुण चन्द्र मिश्र

संयुक्त सचिव
श्री अर्जुन प्रसाद
श्री कृष्ण मुरारी प्रसाद

कोषाध्यक्ष
केशव रंजन प्रसाद

पत्र संख्या..........................

पटना
दिनांक...............................

की वजह से वे आराम फरमाते हैं यानी हम हड़ताल कर काम नहीं करते हैं और वे बिना हड़ताल किये काम नहीं करते हैं आखिर हमने यह अनुभव किया है कि हड़ताल को आंदोलन का अस्त्र नहीं बनाया जाना चाहिए क्योंकि हड़ताल की स्थिति में हम जन विरोधी एवं विकास कार्य के बाधक बनाये जाते हैं तथा कभी-कभी माननीय न्यायालय का भी कोपभाजन बनना पड़ता है । यह स्थिति भी विचारणीय है ।

यह भी स्पष्ट है कि सरकार एवं उनके सुविधाभोगी आला अधिकारी बगैर हड़ताल के हमारी बातों को सुनते भी नहीं हैं । उपरोक्त स्थिति से यह भी स्पष्ट है कि इन आला पदाधिकारियों की निरंकुश प्रवृत्ति तथा निकम्मेपन के कारण ही हमें हड़ताल पर जाना पड़ता है और यह भी निश्चित है कि अकेले कोई संगठन लड़ने को तैयार भी नहीं है । अब यह विचार करने का समय आ गया है कि सरकार एवं उनके सुविधाभोगी आला अधिकारियों की निरंकुश प्रवृत्ति के विरुद्ध कोई कार्रवाई की जाय या यूं ही बेलगाम छोड़ दिये जायं । निर्णय हम सभी को ही करना है । हमारी मंशा सरकार एवं आला अधिकारियों की निरंकुश प्रवृत्ति के विरुद्ध ठोस कार्रवाई करने की है । ठोस कार्रवाई क्या हो, कैसे हो, इस पर या तो आप सब मेरा सहयोग लें या हमें सहयोग देने का मन बनायें । सहयोग तन-मन-धन से हो ताकि हम सभी पदाधिकारी/कर्मचारी/राजपत्रित/अराजपत्रित संगठन संगठित होकर एक झण्डे के तले सामान्य मुद्दों के लिए आंदोलन छेड़ने की बात करें । सामान्य मुद्दों में सेवा निवृत्ति की उम्र सीमा 60 वर्ष, 300 दिनों की उपार्जित अवकाश के समतुल्य राशि का भुगतान, वाहन भत्ता, एल०टी०सी० तथा प्रोन्नति सहित अन्य

बिहार प्रशासनिक सेवा संघ

प्रशासनिक सेवा भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग, पटना-१

दूरभाष :
अध्यक्ष : 226623 (R)
महासचिव : 220227 (O) 286865 (R)
कोषाध्यक्ष : 351334 (R)

अध्यक्ष
वजीन्द्र नारायण सिंह
(डब्लू० एन० सिंह)

महासचिव
गंगाधर लाल दास
(जी० एल० दास)

Truth Will Triumph

उपाध्यक्ष
फिराक अहमद
अरुण चन्द्र मिश्र

संयुक्त सचिव
श्री अर्जुन प्रसाद
श्री कृष्ण मुरारी प्रसाद

कोषाध्यक्ष
केशव रंजन प्रसाद

पत्र संख्या...........................

पटना
दिनांक...............................

केन्द्रीय सेवा शर्तें लागू करने की हो । हम इस पत्र के माध्यम से आप सबों से अपील करते हैं कि इस पर गहराई से विचार हो । हम आपको सहयोग देने के लिए तैयार बैठे हैं ।

आप सभी अपने संघ/संगठन में पहले हमारे विचार/प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार करें, मुद्दों पर सहमति बनायें तथा 15 जनवरी तक अपने सुझाव/प्रस्ताव अथवा आम सहमति के बिन्दुओं से अवगत करायें ताकि हम एक और सार्थक प्रयास कर सकें । सभी छोटे बड़े संघों की एकता अब अनिवार्य एवं अपरिहार्य हो गया है ।

नए वर्ष की ढेर सारी शुभकामनाओं सहित ।

आपका शुभेच्छु,

(जी०एल०दास)
महासचिव ।

(डब्लू०एन० सिंह)
अध्यक्ष ।